महत्वपूर्ण एवं खास

अमरनाथ हादसा: छत्तीसगढ़ के तीर्थ यात्रियों की सहायता के लिए दो हेल्पलाइन नंबर जारी

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अमरनाथ हादसे में फंसे छत्तीसगढ़ के तीर्थ यात्रियों की सहायता के लिए दो हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इनमें नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन के रेसिडेंट कमिश्नर गणेश मिश्रा का मोबाइल नंबर +91-9997060999 तथा छत्तीसगढ़ सदन का हेल्पलाइन नंबर +91-1146156000 है। आपदा में फंसे तीर्थ यात्री या उनके परिजन इन नम्बरों में सम्पर्क कर सूचना दे सकते हैं।

किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा । बालकोनगर पुलिस ने उस दुष्कर्मी को पकड़ लिया है जो नाबालिग को अपने साथ भगाकर गुजरात ले गया था और 6 महिने तक उसका शारीरिक शोषण किया। 13 दिसंबर 2021 को यह घटना सामने आई थी और शिकायत 15 दिसंबर को की गई थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि परसाभांटा निवासी एलीन मसीह उसे भगाकर गुजरात में रखा हुआ है। पुलिस की टीम तत्काल गुजरात के लिए रवाना हुई और दोनों को पकडक़र कोरबा ले आई। आरोपी के खिलाफ अपहरण, बलात्कार के साथ ही पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

कोरबा । सडक़ दुर्घटना में गत रात्रि गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए कोरबा जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे देखते ही चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार दीपका निवासी आिलेश गुप्ता उम्र 18 पिता सुनील गुप्ता गत रात्रि कुचेना मोड़ पर 407 वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। कुसमुंडा पुलिस ने उस दौरान कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाकारित मालवाहक वाहन 407 को जप्त कर लिया। इसके अलावा 112 डायल वाहन से कोरबा जिला अस्पताल घायल को उपचार के लिए भिजवाया गया। वहां उसे देखते ही जिला अस्पताल के आपात कालीन ड्यूटी में पदस्थ चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल को वार्ड वाय द्वारा सूचना दिए जाने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर मृतकं के शव को पीएम के लिए चीरघर भिजवा दिया। जानकारी मिली है कि अस्पताल चौकी पुलिस उपरोक्त मामले में मर्ग डायरी दुर्घटना स्थल कुचैना थाना कुसमुंडा क्षेत्रांतर्गत होने के कारण विवेचना के लिए कुसमुंडा थाना पुलिस को रेफर कर रही है।

सर्पदंश से युवती की हालत गंभीर

कोरबा । जिले के कोरबा थानाअंतर्गत ग्राम संडैल निवासी एक युवती को देर रात जहरीले सर्प ने डस लिया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका उपचार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम संडैल निवासी रानू साहू उम्र 25 को देर रात जहरीले सर्प ने डस लिया। जिससे की उसकी हालत बिगडऩे लगी। आनन फानन में उसके परिवार के सदस्य छोटेलाल साहू उम्र 30 उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। बताया जाता है कि युवती को जिला अस्पताल में एंटी स्नैक इंजेक्शन भी लगा दिया गया है। यहां उसकी हालत पहले की अपेक्षा आज दोपहर को बेहतर बतायी जा रही है। फिलहाल उसका उपचार जारी है।

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या हुई दुगनी, रायपुर और दुर्ग बने हॉटस्पॉट

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या दोबारा बढ़ रही है. पिछले 3 दिन से प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 2 प्रतिशत से ज्यादा ही रह रही है. शुक्रवार को पॉजिटिविटी दर 2.42 प्रतिशत है. तीन जिले कोरोना के हॉटस्पॉट बने हुए हैं. जो रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग है. शुक्रवार को 12230 सैंपल की जांच की गई. जिसमें 24 जिलों में 296 संक्रमित मरीज मिले. टोटल एक्टिव केसों की संख्या 1363 हो गई है. किसी की भी मौत कोरोना से नहीं हुई है. राहत की बात ये रही कि पांच जिलों में एक भी कोरोना मरीज नहीं मिला. ये जिले बस्तर संभाग के कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर जिले हैं।

मुठभेड़ में 60 नक्सली थे शामिल 284 गोली और 20 ग्रेनेड बम से पुलिस ने नक्सलियों पर किया हमला

- भारी मात्रा में नक्सलियों का सामान बरामद
- उड़ीसा पुलिस की पत्रकार वार्ता में कई खुलासे

गरियाबंद (आरएनएस)। गरियाबंद और उड़ीसा के बॉर्डर पर हुए मुठभेड़ में कई महत्वपूर्ण खुलासे उड़ीसा पुलिस ने पत्रकार वार्ता में किया।नुआपड़ा ओडिसा के एसपी प्रत्यूष दिवाकर ने पत्रकार वार्ता में बताया की मुठभेड़ में 60 से अधिक नक्सली शामिल थे,कई बड़े नक्सलीयो के घटना में शामिल होने की बात सामने आई है।पुलिस ने बताया की सीआरपीएफ उड़ीसा पुलिस के इस कमिंग ऑपरेशन में पुलिस की ओर से 284 राउंड फायर तथा 20 ग्रेनेड बम से नक्सलियों पर हमला किया गया, घटना के बाद भारी मात्रा में नक्सलीयो का सामान बरामद हुआ है।एयरगन तथा दर्जनों चाकू और नक्सली साहित्य बरामद हुआ है,सबसे महत्वपूर्ण नक्सलियों की एक डायरी भी मिली है डायरी से नक्सलियों के शहरी और ग्रामीण नेटवर्क के खुलासे की पुलिस को उम्मीद है। वहीं घटना के बाद से इन नक्सलियों के छत्तीसगढ़ में विचरण को देखते हुए बॉर्डर पर गरियाबंद पुलिस ने सीआरपीएफ की मदद से सर्चिंग बढ़ाई है।कुल्हाड़ी घाट सीआरपीएफ कैंप पहेली खान तथा मैनपुर से सर्चिंग पार्टी रवाना की गई है। खास बात यह रही कि हमले के दौरान नक्सली अपना कैंप छोडक़र भाग खड़े हुए कैंप में नक्सलियों के कई जरूरी सामान भी बरामद हुए हैं नक्सली यह सामान कहां से हासिल

करते थे इसका पता लगाकर पुलिस और अधिक कार्यवाही करने की तैयारी में है।

नुआपाड़ा(उड़ीसा) के पुलिस अधीक्षक प्रत्यूष दिवाकर ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि बीते कल उड़ीसा के अर्धसैनिक बल एवं पुलिस जवानों के साथ उड़ीसा छत्तीसगढ़ सीमा पर हुए मुठभेड़ के बाद नक्सली घने जंगल का लाभ उठाकर भाग गए लेकिन उस स्थल से भारी पैमाने पर नक्सलियों के इस्तेमाल किए जाने वाले सामान बरामद किए गए हैं वहीं कुछ महत्वपूर्ण कॉपी भी बरामद किए गए हैं जिनकी सघन जांच की जा रही है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि इन कापीयो के माध्यम से अन्य शहरी नेटवर्क या ग्रामीण नेटवर्क के बारे में लिखे गोपनीय शब्दो को डी कोड किया जा रहा है जिन के बाद उन लिखें नामों को भी सघन तलाश किया जाएगा।

नवापुड उड़ीसा पुलिस को बोडेन थाने की सीमा के अंतर्गत ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा के पास पटधारा आरएफ के पास घने वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में नक्सलियों के एक बडे शिविर के बारे में जानकारी मिली थी।जिसमे नक्सली विभिन्न सुरक्षा बलों की रणनीतियों की योजना बनाने और अन्य विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए एकत्र हुए थे। जिसमे एसओजी,डीवीएफ और सीआरपीएफ के संयुक्त सुरक्षा बलों द्वारा एक नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया गया लगभग 10 बजे।एसओजी के कमांडो पटधारा आरएफ के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान दौरान 60- 80 छिपे हुए सशस्त्र नक्सली मुरली ए संग्राम रेड्डी के नेतृत्व में, देबजी'जयराम छलपति,कार्तिक दशरू,जयराम गुड्डू, अंजू पद्मा, संगीता: जनिला, पार्वती, सोनी और अन्यो ने सुरक्षा बलों को मारने के इरादे से अंधाधुंध गोलियां चलाईंटीम ने मुंहतोड़ जवाब दिया और आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। जिससे नक्सली इलाके से भाग गए।तलाशी के दौरान सुरक्षा बलो ने निम्नलिखित वस्तुओं को बरामद किया एयर गन-1 बैटरी (12 वी)- 05 नगक्षबाओफेंग वॉकी टॉकी सेट- 01 नंबर रेडियो- नंबर पावर बैंक-1 नंबर,ब्लूटूथ स्पीकर-1 सोलर प्लेट-04 नग, चाकू- 11 संख्या, कैंची-03 संख्या स्टेपलर-02 नंबर,कलाई घड़ी-02 संख्या 12. स्क्रू ड्राइवर-02 संख्या,वायर बंडल-2 नग बैटरी चार्जर -02 नंबर, छाता-12 संख्या,जल जर्किन-9 नगजूते, सिलाई मशीन, देक्ची-04 संख्या, हैवरसैक,बैग-02 संख्या

माओ वर्दी-02 जोड़ी 24. व्यक्तिगत उपयोग के कपड़े

. जग-07 संख्या. प्लेट-04 माओ साहित्य 33. दैनिक राशन. तिरपाल-58 संख्या,रस्सी . बाल्टी-03 संख्या

वाटर ड्रम (बड़ा) -01 नग बरामद किए गए।

दीपका खदान में 16 करोड़ रुपये की ड्रिल मशीन में लगी आग

कोरबा । साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की दीपका कोयला खदान की एक ड्रिल मशीन में अचानक आग लग गई। आयल लीक होने के बाद भी मशीन से काम लेने के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। 16 करोड़ की इस मशीन का उपयोग खदान में ब्लास्टिंग से पहले ड्रिल करने के लिए किया जा रहा था। आग लगने की जानकारी मिलने पर प्रबंधन ने आग बुझाने का प्रयास किया पर मशीन का काफी हिस्सा जल गया। इसकी वजह से कंपनी को करोड़ों रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जानकारों का कहना है कि मशीन का एयर कंप्रेसर लीक था ड्रिल मशीन के आपरेटर ने इसकी जानकारी जवाबदार अधिकारियों को दी थी। इसके बाद भी अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया

और रखरखाव टीम ने दो दिन पहले फिल्टर बदलने के बाद पुन: मशीन को काम में लगा दिया। बताया जा रहा है कि आयल लीक होता रहा और इस दौरान मशीन का उपयोग किए जाने की वजह से मशीन के गर्म हिस्से में आग पहुंचा और आग लग गई।

दमकल की टीम को मशीन में लगी आग पर काबू पानी काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह बताना होगा कि इससे पहले भी कोयला खदानों में रखरखाव में लापरवाही बरते जाने की वजह से मशीनों में आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस घटना की विभागीय जांच कराई जाएगी। रजगामार खदान के बंकर का बकेट टूटने से एक कर्मचारी की मौत की जांच भी चल ही है। इस बीच यह एक और हादसा हो गया है। डीएमएस बिलासपुर की टीम इस मामले की जांच करेगी।

इस वित्तीय वर्ष एसईसीएल को तीन माह में 428 लाख टन कोयले का उत्पादन करना था, पर 357 लाख टन ही उत्पादन किया। तिमाही रिपोर्ट में पिछड़ गई एसईसीएल के सामने लक्ष्य हासिल करने की चुनौती है। ऐसे में लगातार खदान में होने वाली दुर्घटनाओं का भी असर उत्पादन पर पड़ेगा। श्रमिक संगठनों का कहना है कि जितना जो उत्पादन बढ़ाने में दिया जा रहा है उतना ही सुरक्षा उपायों पर भी ध्यान देना होगा। संतुलन बिगडऩे पर इस तरह की स्थिति निर्मित होती है।

विद्यालय को क्षतिग्रस्त करने वाला सीसीटीवी कैमरे मैं कैद, कार्यवाई की मांग

कोरबा । पीडब्ल्यूडी हायर सेकेंडरी स्कूल में आए दिन घटनाएं हो रही हैं। इस बार यहां मध्यान भोजन सहित दो कक्ष के दरवाजे को नुकसान पहुंचाया गया। इस कृत्य को अंजाम देने वाले युवक की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। स्कूल प्रबंधन के द्वारा इस बारे में रामपुर पुलिस चौकी को अवगत कराने के साथ कार्रवाई करने की मांग की गई है।

सिंचाई कॉलोनी क्षेत्र में शासकीय पीडब्ल्यूडी हायर सेकेंडरी स्कूल का संचालन विगत कई वर्षों से हो रहा है। यहां पर पिछले कुछ दिनों से अराजक तत्वों की हरकतें बढऩे से स्कूल प्रबंधन परेशान है। पिछली रात विद्यालय के सामने हिस्से से घुसकर एक युवक ने मध्यान भोजन वाले कक्ष के अलावा प्रयोगशाला कक्ष के दरवाजे को नुकसान पहुंचाया। आज सुबह स्कूल के शिक्षक और कर्मचारी यहां पहुंचे तो उन्हें इसकी जानकारी हुई। जिसके बाद आनन.फानन में कारीगर बुलाकर जरूरी सुधार कार्य कराया गया। विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि कारनामे में शामिल एक युवक यहां पर लगे सीसीटीवी कैमरे मैं कैद हुआ है। डर इस बात का है कि भविष्य में यहां के दस्तावेज भी चोरी हो सकते हैं । विद्यालय प्रबंधन ने पुलिस को मामले की सूचना दे दी है । बताया गया कि इससे पहले भी इस तरह की घटना शिक्षण संस्थान में हो चुकी है।

मासांत तक सभी स्कूल वाहनों की जांच, कमी मिलने पर पेनाल्टी

कोरबा । शिक्षण सत्र शुरू होने के साथ स्कूलों में रौनक की वापसी हो गई है और कई स्तर पर जांच पड़ताल का काम भी शुरू हो गया है। परिवहन विभाग ने निजी स्कूल प्रबंधन से संबंधित स्कूल बसों की जांच प्रारंभ करते हुए सभी प्रकार की कमियां दूर करने के लिए कहां है। अन्य स्थिति में कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहने की चेतावनी भी दी है।

कोरबा जिले में परिवहन विभाग ने स्कूल मैं विद्यार्थियों को ले जाने के लिए चलाए जा रहे वाहनों की जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा मानक के आधार पर इस जांच को किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी शशिकांत कुर्रे ने बताया कि अब तक 55 बसों की जांच की गई है और विशेष वाहनों की जांच का काम इस महीने में पूरा कर लिया जाएगा। परिवहन विभाग ने तय किया है कि सभी प्रकार उनकी सुरक्षा प्रबंध स्कूल बसों में होने चाहिए। इसके लिए स्कूल प्रबंधन को बता दिया गया है। निश्चित समय सीमा में इसके लिए काम नहीं किया जाता है तो परिवहन विभाग स्कूल बसों के पंजीयन रद्द कर देगा। इसी के साथ अन्य कार्रवाई करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को अनुशंसा की जाएगी। स्कूल वाहनों को लेकर बार. बार कई तरफ से शिकायतें आती रही हैं। अबकी बार परिवहन विभाग ने सुरक्षा और स्वास्थ्य से जोड़ते हुए इस मामले को देखा है और आगे नियम का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। देखना होगा कि आने वाले समय में कितनी स्कूल बसों के पंजीकरण रद्द करने की नौबत आती है।

नेशनल हाईवे पर पहुंचे हाथियों का दल: देखने लोगों की लगी भीड़

- नवापारा में तोड़े दो मकान

कोरबा । कटघोरा वन मंडल के केंदई रेंज में मौजूद हाथियों का दल शुक्रवार की शाम कांपा नवापारा के निकट नेशनल हाईवे पर पहुंच गया था। बड़ी संख्या में सडक़ पर घूम रहे हाथियों को देखने लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई थी, जिसे वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समझाबुझाकर दूर रखा।

जानकारी के अनुसार कटघोरा डीविजन के केंदई व पसान रेंज में 32 की संख्या में हाथियों का दल दो स्थानों पर विचरण कर रहा है।

इसमें से 24 हाथी केंदई रेंज में है जबकि 8 हाथी पसान के सेमरहा सर्किल के जंगल में विचरण कर रहे हैं। केंदई रेंज में मौजूद 24 हाथियों का दल शुक्रवार की शाम 5.30 बजे के लगभग जंगल से निकलकर कापानवापारा में नेशनल हाइवे पर पहुंच गया और आसपास विचरण करने लगा। बड़ी संख्या में हाथियों के हाईवे के आसपास होने की जानकारी जब क्षेत्र के लोगों को हुई तो वे कौतुहलवश हाथियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में एनएच पहुंच गए। नेशनल हाईवे पर आने जाने वाले लोग भी रूक कर हाथियों का नजारा देखने लगे। इसी दौरान केंदई क्षेत्र का दौरा कर लौट रहे रेंजर अभिषेक दुबे की नजर जब भीड़ पर पड़ी तो भीड़ एकत्रित होने की वजह जानने अपने वाहन से उतरे तब पता चला कि बड़ी संख्या में हाथी नेशनल हाइवे पर पहुंच गए हैं। उन्होंने तत्काल अपने मातहतों को बुलाकर भीड़ को समझाने के साथ हाथियों से दूर रखा। लगभग आधा घंटा बाद जब गजदल ने आगे का रूख किया तो मौके पर मौजूद भीड़ वापस लौटी। भीड़ के जाने के बाद रेंजर भी अपने घर को निकले लेकिन मातहत कर्मचारियों को हाथियों की लगातार निगरानी करते रहने का निर्देश दिया। पता चला कि वनकर्मियों को चकमा देकर हाथियों का दल आधी रात को फिर वापस लौटकर कापा नवापारा पहुंच गया और इसमें शामिल एक दंतैल ने बस्ती में घुसकर दो ग्रामीणों के मकान ढहा दिए। वन अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों द्वारा किए गए नुकसानी का सर्वे कर रहा है।

पर्यटन मंडल के अध्यक्ष ने किया मैनपाट में कार्यों का निरीक्षण

बिलासपुर (आरएनएस)। सरगुजा प्रवास के दौरान दिनांक 9 जुलाई अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव जी छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा अपने व्यस्ततम दौरे के बीच मैनपाट सरगुजा में ट्राईबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत निर्माणाधीन कर्मा एथेनिक रिसोर्ट के कार्यों में गति लाए जाने तथा जल्द से जल्द मैनपाट में उच्च स्तरीय पर्यटक सुविधा पर्यटक को को उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से निर्माणाधीन कर्मा एथेनिक रिसोर्ट का निरीक्षण किया गया, अटल श्रीवास्तव टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष के साथ एक कुशल इंजीनियर भी है उनके द्वारा स्थल पर ही निर्माण एजेंसी टी.सी.आई.एल.

को पर्यटकों की सुविधाओं के दृष्टिकोण से कुछ महत्वपूर्ण सुधार किए जाने के लिए निर्देश भी दिया।

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड में अध्यक्ष बनने के बाद अटल श्रीवास्तव का यह पहला दौरा था जिसमें उनके द्वारा कर्मा एथेनिक रिसोर्ट के लोकेशन एवं यहां पर निर्माणाधीन पर्यटक सुविधाओं के विकास को देखकर खूब तारीफ भी की गई मैनपाट के कमलेश्वरपुर में ट्राईबल टूरिज्म सर्किट के अंतर्गत छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा लगभग 48 एकड़ में कर्मा एथेनिक रिसोर्ट का निर्माण कराया जा रहा है, पर्यटक को यह सुविधा इसी वर्ष मह सितंबर अक्टूबर के बीच मिलने की संभावना है।

निर्माणाधीन कर्मा एथेनिक रिसोर्ट सरगुजा के आदिवासियों के जीवन शैली को बड़ी खूबसूरती से प्रदर्शित करने का कार्य किया जा रहा है , कर्मा एथेनिक रिसोर्ट मैं पर्यटकों के रुकने के लिए 20 कॉटेज इंटरप्रिटेशन सेंटर कैफिटेरिया, ओपन थिएटर ,नेचर ट्रेल, कॉन्फ्रेंस हॉल अटैच लेट बाथ के साथ टेन्ट प्लेटफार्म ,पैगोडा सौवेनिर शॉप, इको किचन ,आदि कि सुविधाएं पर्यटक को मिल सकेगी। कर्मा एथेनिक रिसोर्ट के निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय प्रभारी सरगुजा तथा मैनपट के शैला रिसोर्ट प्रबधंक व टीसीआईएल इंजीनियर उपस्थित थे।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी साकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुंचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

हैवी ब्लास्टिंग से स्कूल की स्थिति जर्जर

कोरबा । एसईसीएल गेवरा खदान में कोयला उत्खनन के लिए इन दिनों हैवी ब्लास्टिंग किये जाने से ग्राम पंचायत भिलाई बाजार के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल की दीवारें और छतें कमजोर हो गई हैं। ब्लास्टिंग के दौरान छत का प्लास्टर टूटकर गिर रहा है। कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मगर इस ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। कोयला उत्पादन की चाह मे एसईसीएल प्रबंधन किसी भी हद तक जा सकता है इसकी बानगी ग्राम पंचायत भिलाई बाज़ार स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की जर्जर स्थिति से पता चल जाएगा। इस स्कूल की जर्जर स्थिति का कारण है। एसईसीएल के गेवरा परियोजना द्वारा रोजाना किये जाने वाला हैवी ब्लास्टिंग। गेवरा परियोजना खदान मे कोयला उत्पादन के लिए रोजाना हैवी ब्लास्टिंग की जाती है जिसकी वजह से स्कूल भवन प्रभावित हो रहा है।

स्कूल परिसर से खदान की दूरी महज 500 मीटर है बाउजूद एसईसीएल प्रबंधन हैवी ब्लास्टिंग कर रहा है साल 2012-13 में बने स्कूल भवन की हालत बैठने लायक भी नहीं है। लैब पूरी तरह से खंडहर हो चुका है। इससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्कूल की छत के गिरते प्लास्टर, दरार पड़ चुकी दीवारों और जर्जर भवन से भयभीत छात्र सहित अध्यापक कमरे के भीतर बैठने से घबरा रहे हैं। शिक्षको की माने तो जब ब्लास्टिंग होता है तो भूकंप जैसे कम्पन का अहसास होता है । हैवी ब्लास्टिंग की वजह से छत से प्लास्टर टूटकर गिरता है जिससे एक शिक्षिका घायल भी हो चुकी है। स्कूल के प्राचार्य जीपी जाटवर ने बताया कि जब से स्वष्टरु खदान स्कूल परिसर के नज़दीक आया है तब से स्कूल के लिए खतरा बन चूका है। हैवी ब्लास्टिंग की वजह से स्कूल के बच्चेए शिक्षक-शिक्षिकाएं दहशत मे है।

भयभीत शिक्षको ने अपने उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी साथ ही एसईसीएल कटघोरा व एसईसीएल गेवरा प्रबंधन को भी पत्र लिखकर अवगत कराया। लगभग 20 दिन बाद एसईसीएल के सर्वे आफिसर, ब्लास्टिंग इंचार्ज और कुछ अधिकारी स्कूल पहुंचे। स्कूल के प्राचार्य व शाला विकास प्रबंध समित की मौजूदगी मे एसईसीएल गेवरा के अधिकारियों को पूरा स्कूल को मुआयना कराया गया। निरीक्षण पश्चात एसईसीएल के अधिकरियों ने स्कूल प्रबंधन से यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि वे मौका जांच प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को प्रेषित करेंगे। वे सिर्फ मुआयना करने आये थे। इस मसले की कोरबा कलेक्टर से पूछा गया तो उन्होंने मामले की जांच कराने का भरोसा दिया है। एसईसीएल प्रबंधन स्कूल की समस्याओं को दरकिनार कर अपना उत्पादन बढ़ाने में जुटा हुआ है। वहीं अब तक शिक्षा विभाग भी मामले को गंभीरता से लेता दिखायी नहीं पड़ रहा है। देखना होगा कि विद्यार्थियों की ये समस्या कब समाप्त होती है।